सेवक ल्याया जी सांवरिया | by Atul Lamdiwal

सेवक ल्याया जी सांवरिया थारो बागो पेहरो जी
सेवक ल्याया जी
हिवड़े माहि चाव घणेरो थाने भाया जी
सेवक ल्याया जी

बागो थारो घेर घुमेरो भगाता रे मन भाया जी
पचरंगी सतरंगी बागा थाने पिरावां जी
सेवक ल्याया जी

एक एक धागा बाबा म्हाने प्रेम सु घणा पिरोया जी
प्रीत डोर की लटकन ई में सागे लावां जी
सेवक ल्याया जी

हीरा और गोटा सूं बाबा ई ने घणा सजाया जी
चन्दन की खुशबू के सागे इत्र लगावां जी
सेवक ल्याया जी

लाड करां मनुहार करां थे ई ने पहर दिखाओ जी
गुड़िया थारी नज़र उतारे मन हर्षाया जी
सेवक ल्याया जी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%95-%e0%a4%b2%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-by-atul-lamdiw/